MPS

राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

सत्रीय कार्य

(एम.ए. प्रथम वर्ष)

जुलाई 2023 और जनवरी 2024 सत्र के लिए

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

एम.ए. (राजनीति विज्ञान)
प्रथम वर्ष
अनिवार्य पाठ्यक्रम

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम से संबंधित कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है कि राजनीति विज्ञान के प्रत्येक अनिवार्य पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) करना होगा। इस पुस्तिका में राजनीति विज्ञान के स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य सम्मिलित हैं।

सभी सत्रीय कार्यों को निर्धारित समय के भीतर जमा कराना अत्यंत आवश्यक है, ताकि आप सत्रांत परीक्षा देने के पात्र हो सकें। सत्रीय कार्य करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

इसके साथ ही, सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके अपने **अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ।** जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको सत्रीय कार्य वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होता है।

प्रस्तुतीकरण : हल किए गए प्रश्नों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें।

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई, 2023 सत्र के लिए	**31 मार्च, 2024**	**अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।**
जनवरी, 2024 सत्र के लिए	**30 सितम्बर, 2024**	

शुभकामनाओं के साथ,

राजनीति विज्ञान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

एमपीएस–001 : राजनीतिक सिद्धान्त
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-001
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2023-24
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. समकालीन राजनीति सिद्धान्त पर एक लेख लिखिए।

2. लोकतंत्र की न्यायोचितता (औचित्य) का परीक्षण कीजिए।

3. अधिकारों की प्रकृति पर चर्चा कीजिए।

4. स्वतंत्रता पर कुछ सामयिक चर्चाओं की विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

5. सामाजिक समानता क्या है? व्याख्या कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) आवश्यकताएं, अधिकार और डेज़र्ट
   ख) कर्तव्यों के प्रकार

7. क) नागरिकता की प्रकृति
   ख) सर्वहारा वर्ग के नेतृत्वकर्ता के रूप में कम्युनिष्ट पार्टी (वी. आई. लेनिन)

8. क) लोकप्रिय संप्रभुता
   ख) नागरिक समाज

9. क) प्राधिकरण की अवधारणा
   ख) वैधानीकरण

10. क) नागरिक अवज्ञा
    ख) राजनीतिक हिंसा

एमपीएस–002 : अन्तर्राष्ट्रीय संबंधः सिद्धांत एवं समस्याएँ
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-002
सत्रीय कार्य कोड :एएसएसटी/टीएमए/2023-24
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. 20वीं शताब्दी में यूरोप में आत्मनिर्णयन हासिल करने में आने वाली समस्याओं की जाँच कीजिए।

2. यथार्थवादी ढ़ाँचे में बार –बार उपयोग की जाने वाली प्रमुख अवधारणाओं के सारांश को उजागर कीजिए। उनसे कौन सा उद्देश्य पूर्ण होता है?

3. क्षेत्रवाद के विभिन्न सैद्धान्तिक दृष्टिकोण क्या हैं? व्याख्या कीजिए।

4. शीतयुद्धोत्तर कालीन युग में परमाणु हथियारों के अप्रसार के विकास की चर्चा कीजिए।

5. हिंसा को जारी रखने के लिए आतंकवादियों द्वारा अपनाये गये उद्देश्यों और तरीकों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) सैन्य मामलों पर विज्ञान और तकनीकी का प्रभाव
   ख) असमान अर्न्तराष्ट्रीय आर्थिक प्रणाली

7. क) वैश्वीकरण
   ख) प्राच्यवाद की आलोचना

8. क) पर्यावरणीय दृष्टिकोण
   ख) अर्न्तराष्ट्रीय संबंधों में नारीवादी सिद्धान्त

9. क) अर्न्तराष्ट्रीय संबंधों के प्रति मार्क्सवादी दृष्टिकोण
   ख) अर्न्तराज्यी विस्थापन

10. क) पहचान के युद्धों के कारण
    ख) नासर के तीन वृत्त

एमपीएस–003 : भारत : लोकतंत्र एवं विकास
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-003
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2023-24
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. स्वतंत्रता पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सी.पी.आई.) के दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिए।

2. भारतीय संविधान में उल्लेखित राज्य नीति के निर्देशक सिद्धान्तों की सुधारवादी क्षमता का मूल्यांकन कीजिए।
3. ''नागरिकों के अधिकारों एवं हितों की रक्षा हेतु न्यायपालिका सबसे महत्त्वपूर्ण संस्था है।'' चर्चा कीजिए।
4. भारतीय संघीय व्यवस्था में केंद्र की ओर झुकाव के कारणों का परीक्षण कीजिये।
5. **निम्नलिखित विषयों पर करीब 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः**
   क) उच्च न्यायालयों का क्षेत्राधिकार
   ख) संसदीय सम्प्रभुता

भाग – II

6. बाज़ार अर्थव्यवस्था क्या है? इसके लाभ और नुकसानों का परीक्षण कीजिए।

7. भारत में आर्थिक उदारीकरण के प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।

8. भारतीय राजनीति में क्षेत्रवाद की व्याख्या कीजिए।

9. सतत विकास के मापन व आकलन हेतु प्रमुख संकेतकों की चर्चा कीजिए।

10. **निम्नलिखित विषयों पर करीब 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः**
    क) जेन्डर समानता
    ख) नियोजित अर्थव्यस्था

एमपीएस–004 : तुलनात्मक राजनीति : मुद्दे एवं प्रवृत्तियाँ
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-004
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2023-24
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. राजनीति विज्ञान 'राष्ट्र निर्माण' की तुलना में 'राज्य निर्माण' हेतु ज्यादा व्यवहारिक हो सकता है। व्याख्या कीजिए।

2. राष्ट्रवाद के अध्ययन हेतु प्रमुख दृष्टिकोणों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

3. किस प्रकार से वैश्वीकरण ने राज्य की संप्रभुता को प्रभावित किया है। व्याख्या कीजिए।

4. आत्म–निर्णयन से आप क्या समझते हैं? आत्म–निर्णयन पर चर्चाओं का मूल्यांकन कीजिए।

5. **निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिएः**

   क) नागरिक समाज पर ग्राम्सी
   ख) राज्य का बहुल–उदारवादी सिद्धान्त

भाग – II

6. नृ–जातीय पहचान से आप क्या समझते हैं? नृ–जातीय समूह राजनीतिक तौर क्यों सक्रिय हो जाते हैं?

7. **निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिएः**

   कं) सैन्य शासनों के चारित्रिक लक्षण
   ख) राज्य प्रणाली पर मौरिस डुर्वगर का वर्गीकरण

8. पर्यावरणीय चर्चाओं में प्रमुख मुद्दों पर विकासशील देशों की स्थिति का वर्णन और मूल्यांकन कीजिए।

9. **निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिएः**

   कं) भागीदारी के लिए विकासवादी दृष्टिकोण
   ख) आर्थिक –नारीवाद

10. विकासशील देशों में मानव विकास की प्रमुख प्रवृत्तियों का वर्णन और मूल्यांकन कीजिए।